ममता

संवाद पत्र — पूर्वोत्तर सीमा रेल निर्माण संगठन

अंक 14 वर्ष : चतुर्थ त्रैमासिक अप्रैल, 2010

61 वाँ गणतंत्र दिवस समारोह

श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल परेड का निरीक्षण करते हुए।

पूर्वोत्तर सीमा रेल पर 61 वाँ गणतंत्र दिवस समारोह रेलवे स्टेडियम, मालीगांव में बड़ी धूमधाम से मनाया गया । श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल और निर्माण संगठन ने रेल अधिकारियों व कर्मचारियों और उनके परिवारों तथा स्थानीय नागरिकों की भव्य उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर रेल सुरक्षा बल, स्काउट्स एवं गाइड्स, सिविल डिफेंस, रेलवे स्कूलों और केंद्रीय विद्यालय की विभिन्न टुकड़ियों और बच्चों ने सुसज्जित यूनिफार्म में राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी और परेड में भाग लेकर मनोहारी प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर महा प्रबंधक ने अपने संबोधन में पूर्वोत्तर सीमा रेल (ओपन लाइन) तथा पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण संगठन) द्वारा पूर्वोत्तर राज्यों में रेल नेटवर्क के ढांचागत विकास व विस्तार, नई लाइनों के निर्माण व दोहरीकरण तथा महत्त्वपूर्ण राष्ट्रीय परियोजनाओं व निर्माण कार्यों में की गई प्रगति और अभूतपूर्व उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए राष्ट्र और पूर्वोत्तर राज्यों में रेल विकास के प्रति रेलवे की प्रतिबद्धता भी दोहराई। उन्होंने सभी रेल कर्मियों से राष्ट्र निर्माण व प्रगति के लिए मौजूदा चुनौतियों का अवलोकन करके कड़ी मेहनत और अथक प्रयास करने का संकल्प लेने का आग्रह किया। अपने संबोधन में उन्होंने रेल कर्मियों के कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की बात कही और पूर्वोत्तर सीमा रेल पर एक अच्छा सौहार्दपूर्ण कार्य वातावरण एवं अनुशासन कायम रखने का भी आह्वान किया।

अंत में राष्ट्रीय गान के बाद मिठाई वितरण के साथ समारोह का समापन हुआ।

निर्माण संगठन वर्ष 2008-09 के लिए राजभाषा क्षेत्रीय पुरस्कार से पुरस्कृत

माननीय गृह राज्य मंत्री, श्री अजय माकन से शील्ड प्राप्त करते हुए श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2008-09 में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के आधार पर पूर्वोत्तर सीमा रेल/निर्माण ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के केंद्रीय कार्यालयों में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। दिनांक 05.02.2010 को असम राइफल्स मुख्यालय, लाइटकोर, शिलांग के सभागार में आयोजित क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में माननीय गृह राज्य मंत्री, श्री अजय माकन के करकमलों से श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण ने शील्ड ग्रहण किया। इस अवसर पर श्री बकरीदन, मुराधि/निर्माण को भी वर्ष 2008-09 के दौरान निर्माण संगठन द्वारा संघ की राजभाषा नीति के श्रेष्ठ निष्पादन के लिए द्वितीय स्थान प्राप्त करने में उनके सराहनीय योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र माननीय मंत्री के करकमलों से प्रदान किया गया।

बालुरघाट-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस गाड़ी का शुभारंभ

श्री मुकुल रॉय, माननीय जहाजरानी राज्य मंत्री ने 1 फरवरी 2010 को बालुरघाट रेलवे स्टेशन पर 5763/5764 बालुरघाट-न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस गाड़ी को श्री विश्वनाथ चौधरी, माननीय मंत्री, पश्चिम बंगाल सरकार, श्री प्रशांत कुमार मजुमदार, माननीय सांसद तथा श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक, पू.सी. रेल की भव्य उपस्थिति में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

संरक्षक	मुख्य संपादक	संपादक	सहयोग
श्री शिव कुमार	श्री बकरीदन	श्री जगन्नाथ	श्रीमती रंजु झा
महाप्रबंधक/निर्माण	मुख्य राजभाषा अधिकारी/नि	उप महाप्रबंधक/राजभाषा/नि	राजभाषा अधिकारी/नि

हारमुती-इटानगर नई रेल लाइन परियोजना का निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान महामहिम राज्यपाल, अरूणाचल प्रदेश

जनरल जे. जे. सिंह, पी. वी. एस. एम., ए. वी. एस. एम., वी. एस. एम.(सेवानिवृत्त), महामहिम राज्यपाल, अरूणाचल प्रदेश ने दिनांक 16-02-2010 को यात्री गाड़ी सं. 761 से हारमुती से गोगामुख तक की यात्रा की तथा हारमुती से इटानगर नई रेल लाइन परियोजना के चल रहे प्रधानमंत्री पैकेज कार्यों की प्रगति एवं हारमुती से आगे मुर्कोंगसेलेक तक संपर्क लाइन के कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया । महामहिम राज्यपाल महोदय के साथ राज्य की प्रथम महिला, श्रीमती अनुपमा सिंह भी थी । श्री सत्येंद्र कुमार, मंडल रेल प्रबंधक, रंगिया तथा श्री वी. के. तिरकी, मुख्य इंजीनियर/निर्माण-V, पू. सी. रेल, निरीक्षण के दौरान उनके साथ थे। इस दौरे के दौरान महामहिम राज्यपाल ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल विकास के विभिन्न मुद्दों पर उपस्थित अधिकारियों से विचार-विमर्श किया। हारमुती स्टेशन पर हारमुती-इटानगर नई रेल लाइन परियोजना एवं हारमुती तक इसकी संपर्क लाइन के कार्य की स्थिति से भी महामहिम राज्यपाल को अवगत कराया गया ।

अध्यक्ष, यात्री सेवा समिति द्वारा नये कामाख्या स्टेशन भवन की प्रशंसा

चित्र में दाएं से: श्री डेरेक ओ ब्राइन, अध्यक्ष यात्री सेवा समिति तथा श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल

श्री डेरेक ओ ब्राइन, अध्यक्ष, यात्री सेवा समिति ने दिनांक 29.01.2009 को नवनिर्मित कामाख्या स्टेशन भवन का निरीक्षण किया तथा इसकी यह कह कर प्रशंसा की कि "यह स्टेशन भारतीय रेल के सबसे सुन्दर स्टेशनों में से एक है।" उन्होंने डिब्रूगढ़ में निर्मित स्टेशन भवन के साथ ही नहरलगून और बदरपुर में प्रस्तावित अन्य स्टेशन भवनों की भी प्रशंसा की।

ई-प्रोक्यूरमेंट खरीद प्रणाली का शुभारंभ

चित्र में दाएं से: श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण, श्री राधे श्याम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/नि तथा श्री बकरीदन, भंडार नियंत्रक/नि

सरकारी खरीद में पारदर्शिता लाने और कार्यकुशलता में सुधार लाने के लिए रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक प्रोक्यूरमेंट प्रणाली को सभी क्षेत्रीय रेलों/उत्पादन इकाईयों पर चरणबद्ध रूप से लागू किया जा रहा है । निर्माण संगठन को यह प्रणाली लागू करने के लिए औपचारिक रूप से शामिल नहीं किया गया था। फिर भी, इस संगठन ने इस प्रणाली को लागू करने का निर्णय लिया और इसके लिए अपेक्षित औपचारिकताएं पूरी करने की प्रक्रिया शुरू की। पहला टेंडर दिनांक 12-12-09 को "आई आर ई पी एस" प्रणाली पर अपलोड किया गया । इस यूनिट का पहला ई-टेंडर दिनांक 15-01-2010 को श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/पूर्वोत्तर सीमा रेल/निर्माण और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में खोला गया । इस तरह से यह संगठन भारतीय रेल का पहला निर्माण संगठन हो गया है जिसने निर्माण परियोजनाओं/ कार्यों के लिए आवश्यक वस्तुओं की खरीद के लिए ई-प्रोक्यूरमेंट प्रणाली लागू की है।

एम टी आर सी का शुभारंभ

श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल एम.आर.टी.सी. का उद्घाटन करते हुए

04 फरवरी, 2010 को पूर्वोत्तर सीमा रेल के गुवाहाटी-रंगिया-न्यू बंगाईगांव-अलीपुरद्वार-न्यू जलपाईगुड़ी-कटिहार एवं मालदा टाऊन सेक्शनों पर मोबाइल ट्रेन रेडियो कम्यूनिकेशन (एम टी आर सी) प्रणाली का शुभारंभ श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक, पूर्वोत्तर सीमा रेल ने उद्घाटन पट्ट का अनावरण करके किया ।

इस प्रणाली से गाड़ी परिचालन एवं रेल परिसम्पत्तियों के रखरखाव से संबंधित विभिन्न रेल कर्मचारियों के बीच संचार का बेहतर साधन उपलब्ध होगा ।

अपील

प्रिय साथिओं,

जैसा कि आप जानते हैं कि भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र रेल नेटवर्क के विकास में काफी समय से पिछड़ा हुआ है और यह पिछड़ापन इस क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास में एक बहुत बड़ी बाधा सिद्ध हुआ है। वर्ष 1979 में महाप्रबंधक के नेतृत्व में स्थापित निर्माण संगठन, रेल मंत्रालय द्वारा स्वीकृत नई लाइनों के निर्माण, आमान परिवर्तन, दोहरीकरण, विशाल पुलों के निर्माण और अन्य बड़े निर्माण कार्यों को करने में लगा हुआ है। तरह-तरह की बाधाओं के बावजूद हमारे निर्माण संगठन ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के सभी राज्यों में रेल नेटवर्क के विकास में अब तक महत्वपूर्ण योगदान दिया है जिसका श्रेय हमारे कर्मठ व कार्य के प्रति समर्पित रेल कर्मियों को जाता है। वित्तीय वर्ष 2009-2010 में जो परियोजनाएं व निर्माण कार्य हमारे संगठन को दिए गए, उन्हें हमने निर्धारित लक्ष्य तिथि तक पूरे करने के प्रयास किए और हम इसमें काफी हद तक सफल भी हुए हैं। बेहतर प्रबंधन, नियंत्रण और मॉनिटरिंग के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र में ग्यारह रेल परियोजनाओं को "राष्ट्रीय परियोजना" घोषित किया गया है जो पूर्वोत्तर के दूरस्थ क्षेत्रों को रेल सेवा से जोड़ेंगी। हमारा निर्माण संगठन पूर्वोत्तर क्षेत्र में रेल इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के उद्देश्य को पूरा करने के लिए पूरी तरह तैयार है। 2010-11 के रेल बजट में तीन नई लाइनों तथा एक आमान परिवर्तन के निर्माण का निक्षेप कार्य के रूप में करने का प्रस्ताव किया गया है। जनता और देश की अपेक्षाओं को पूरा करने एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र के गतिशील विकास के लिए चालू परियोजनाओं पर सभी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा अथक प्रयास करने की आवश्यकता है।

अत: मैं निर्माण संगठन के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपील करता हूँ कि वे संगठन को सौंपे गए सभी निर्माण कार्यों और सभी परियोजनाओं को निश्चित अवधि में पूरा करने के लिए अथक प्रयास करें और निष्ठाभाव से कार्य करते हुए निर्माण संगठन का नाम ऊंचा करें।

-श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण

निर्माण संगठन में पहली बार

1. दिनांक 04.01.2007 को त्रैमासिक हिंदी "संवाद पत्र" के प्रवेशांक का विमोचन।
2. निर्माण संगठन को प्राप्त पुरस्कार राशि का वितरण अधिकारियों एवं कर्मचारियों में वेतन के साथ जून 2008 में 290 रू. तथा जून, 2009 में 805 रू. प्रति व्यक्ति समान रूप से किया गया।
3. दिनांक 15.08.08 को निर्माण संगठन के नए कार्यालय भवन का उद्घाटन।
4. दिनांक 31.12.2008 से हिंदी वैबसाइट का शुभारंभ।
5. पूर्वोत्तर सीमा रेल, निर्माण संगठन की समग्र एस.ओ.पी. का हिंदी अनुवाद राजभाषा विभाग द्वारा दिनांक 15 अगस्त, 2009 को प्रकाशित करवाया।
6. इस संगठन में पदस्थापित होने वाले नए अधिकारियों को एक "वेलकॅम किट" देना।
7. उप महा प्रबंधक (राजभाषा) के पद पर राजभाषा संवर्ग के जे.ए. ग्रेड अधिकारी की नियुक्ति।
8. 20 अगस्त, 09 को उत्तर रेलवे के साथ वर्ष 2008-09 में सिविल इंजीनियरिंग निर्माण शील्ड से संयुक्त रूप से पुरस्कृत।
9. ई-प्रोक्यूरमेंट खरीद प्रणाली का शुभारंभ तथा पहला ई-टेंडर दिनांक 15-01-2010 को खोला जाना।
10. श्री बकरीदन, भंडार नियंत्रक (निर्माण) एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी 'रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक' तथा प्रशस्ति पत्र से सम्मानित।
11. गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2008-09 में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के आधार पर पूर्वोत्तर सीमा रेल/निर्माण ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के केंद्रीय कार्यालयों में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। दिनांक 05.02.2010 को क्षेत्रीय राजभाषा शील्ड तथा प्रशस्ति पत्र की प्राप्ति।
12. निर्माण संगठन के सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों को स्वर्ण जड़ित चांदी का पदक भेंट करना।
13. जिरिबाम-इंफाल के हिल सेक्शन के भू-वैज्ञानिक चित्रण हेतु पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण) एवं भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण, पूर्वोत्तर क्षेत्र के बीच सहमति पत्र हस्ताक्षरित।

हिंदी पुस्तकालय के लिए अमूल्य धरोहर-'मैला आंचल'

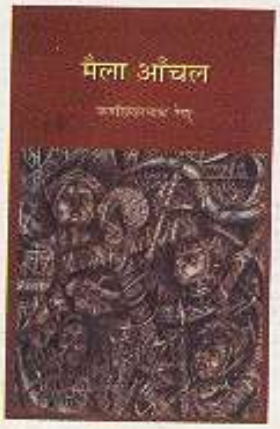

दिनांक 19.02.2010 को कटिहार-जोगबनी सेक्शन पर निरीक्षण के दौरान, प्रस्तावित रेणु नगर, सिमराहा पधारने पर कथाशिल्पी फणीश्वरनाथ रेणु के परिजनों ने उनकी युगान्तरकारी औपन्यासिक कृति "मैला आंचल" की प्रति श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण को सप्रेम भेंट की। महाप्रबंधक/निर्माण ने इस अमूल्य धरोहर को हिंदी पुस्तकालय को भेंट करके एक अनोखी मिसाल कायम की है। राजभाषा विभाग, रेणु परिवार और श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण के प्रति आभार प्रकट करता है।

राष्ट्रीय परियोजनाएं

1.जिरिबाम से तुपुल तक नई बड़ी लाइन (98 कि.मी.)

जिरिबाम से तुपुल तक संपूर्ण लंबाई के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे का कार्य पूरा किया गया। जनवरी 2010 के दौरान तुपुल-इंफाल सेक्शन में राइट्स् द्वारा फाइनल लोकेशन सर्वे का कार्य प्रारंभ किया गया। 1071.35 हेक्टर भूमि में से 470.866 हेक्टर भू-अधिग्रहण तथा 328.5 लाख क्यूबिक मीटर में से 102.01 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य, 10 अदद आर.ओ.बी./आर.यू.बी में से 2 अदद तथा 74 में से 17 छोटे पुलों का कार्य पूरा किया गया ।

जिरिबाम-इंफाल के पहाड़ी सेक्शन के भू-वैज्ञानिक चित्रण हेतु पूर्वोत्तर सीमा रेल (निर्माण) एवं भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण, पूर्वोत्तर क्षेत्र के बीच एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित हुआ है। इसके अतिरिक्त, भू-भौतिकी एवं भूवैज्ञानिक अन्वेषण, जैसा अनिवार्य समझा जाए, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहयोग से किया जाएगा । यह पूर्वोत्तर सीमा रेल में पहली बार किया जा रहा है ।

2.बोगीबिल के निकट ब्रह्मपुत्र नदी पर उत्तरी एवं दक्षिणी तटों पर लिंक लाइनों सहित रेल सह सड़क पुल

पुल के उत्तरी और दक्षिणी तट पर तटबन्धों, मार्गदर्शी बांधों, छोटे एवं बड़े पुलों, स्टेशन निर्माण कार्य, बांधों का उत्थान एवं मजबूतीकरण का कार्य प्रगति पर है ।

बोगीबिल पुल के सड़क, उपसंरचना, अधिसंरचना के लिए नक्शा एवं अभिकल्प को अन्तिम रूप दे दिया गया है ।

मुख्य पुल की अधिसंरचना के लिए दो पैकेट निविदा की तकनीकी बोली दिनांक 11.09.09 को खोली गई एवं जे. वी. पार्टनर के रूप में चीन की फर्म के साथ जे वी फर्म के निविदा प्रस्ताव पर विचार करने संबंधी रेलवे बोर्ड से स्पष्टीकरण मिलने के बाद में अंतिम निष्पादन किया जा रहा है।

बोगीबिल पुल परियोजना के मोरानहाट-चाउलखोवा सेक्शन को दिनांक 08-12-09 को चालू कर दिया गया तथा दिनांक 29-01-2010 को यह ओपन लाइन को सुपुर्द कर दिया गया ।

3.आजरा से बरनीहाट तक (30 कि. मी.) नई बीजी लाइन

रेलवे बोर्ड ने दिनांक 13-10-09 के पत्र संख्या 2001/डब्ल्यू-1/एन एफ/एन एल/सी ए/6 पार्ट के तहत आजरा-बरनीहाट सेक्शन के वैकल्पिक संरेखण करने का सुझाव दिया है। तदनुसार तेतेलिया-बरनीहाट सेक्शन का साध्यता अध्ययन पूरा किया गया एवं यह पाया गया कि तेतेलिया-बरनीहाट नई बीजी लाइन निर्माण संभाव्य होगा ।

तेतेलिया से बरनीहाट तक प्रस्तावित संरेखण का राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ संयुक्त सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है एवं अंचल अधिकारी द्वारा भू-अर्जन अभिलेखों को उपायुक्त को सुपुर्द कर दिया गया है ।

तेतेलिया छोर से एफ एल एस शुरू कर दिया गया है एवं स्टेशन के कुल 21.50 कि.मी. में से 17 कि.मी. तक स्थलाकृति कार्य पूरा कर लिया गया है ।

4.दिमापुर से जुब्जा (कोहिमा) तक (66 कि.मी.) नई लाइन

दिमापुर से कोहिमा (123 कि.मी.) तक संपूर्ण लंबाई के लिए एफ एल एस प्रगति पर है ।

मुख्य सचिव, नागालैंड ने अपने दिनांक 15-01-10 के पत्र सं.-टी पी टी/रेल-9/97 (पीटी) के तहत सी एच 0.00 से 17.80 तक के अनुमोदित संरेखण को परिवर्तित करने का अनुरोध किया है । उन्होंने सुझाव दिया है कि पहले अनुमोदित किए गए संरेखण के बदले में गणेश नगर के निकटवर्ती मौजूद रेलवे स्टेशन से संरेखण हटाकर प्रस्तावित सखावी रेलवे स्टेशन (सी एच-17.80) से जोड़ दिया जाए । तदनुसार रेलवे स्टेशन धनश्री (241.47 कि.मी.) के विद्यमान स्टेशन को गणेश नगर एवं उसके बाद सखावी तक जोड़ने का साध्यता अध्ययन किया जा रहा है । तदनुसार प्रस्ताव को बदल दिया है एवं इसे कार्यस्थल पर उपयुक्त पाया गया । दिनांक 23-02-2010 को परिवर्द्धित संरेखण को अनुमोदन हेतु मुख्य सचिव, नागालैंड सरकार को भेजा गया है ।

5.अगरतला से सबरूम तक नई बीजी लाइन (110 कि.मी.)

फाइनल लोकेशन सर्वेक्षण का कार्य तथा अगरतला से सबरूम तक कंक्रीट पीलरों को भूमि पर स्थापित कर संरेखण की स्टेकिंग का कार्य पूरा किया गया। अगरतला से उदयपुर तक वन भूमि को छोड़कर 277.925 हेक्टर (47.927 कि. मी.) भूमि अधिग्रहण करने का प्रस्ताव राज्य सरकार को प्रस्तुत कर दिया है। 174.55 हेक्टर (28.96 कि. मी.) के लिए राज्य सरकार द्वारा अधिसूचना पहले ही जारी की जा चुकी है। कुल 46 कार्य स्थलों की भू-तकनीकी जाँच पूरी कर ली गई है। दिनांक 29.07.09 को रेलवे बोर्ड ने अगरतला से उदयपुर तक 44 कि. मी. के लिए कुल 336.17 करोड़ रूपये का आंशिक विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृत कर दिया है।

मेसर्स राइट्स ने 4 स्थलों पर सर्वेक्षण दल तैनात कर एफ एल एस कार्य प्रारंभ कर दिया है। अब तक 51 कि. मी. के लिए जी पी एस, 45 कि. मी. के लिए ट्रावर्सिंग, 42.50 कि. मी. के लिए समतलीकरण एवं 39.50 कि. मी. की स्थलाकृति पूरी कर ली गई है ।

6.सेवक से रंगपो (50.87 कि.मी.) तक नई बड़ी लाइन:

1339.48 करोड़ रूपये की लागत वाला यह कार्य वर्ष 2008-09 के अनुपूरक बजट में स्वीकृत किया गया। फाइनल लोकेशन सर्वे का फील्ड कार्य पूरा कर लिया गया है। दिनांक 30-12-09 को 3380.58 करोड़ रूपये का विस्तृत प्राक्कलन स्वीकृति हेतु रेलवे बोर्ड भेजा गया है। परियोजना मेसर्स इरकॉन को निष्पादन हेतु सौंपी गई है । इरकॉन के साथ समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर हेतु रेलवे बोर्ड को 30-12-09 को अनुमोदन के लिए भेजा गया है। दिनांक 20-02-2010 को एम डी/इरकॉन एवं अन्य रेल अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित एक सामान्य ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह के पश्चात वास्तविक कार्य का शुभारम्भ किया गया है ।

7.लमडिंग-सिलचर-जिरिबाम, बदरपुर से बराईग्राम एवं बराईग्राम से कुमारघाट (367.79 कि.मी.) का आमान परिवर्तन

कुल 652.93 लाख क्यूबिक मीटर में से 627.39 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य, 377.56 कि.मी. में से 308.92 कि.मी. का फार्मेशन, 10,675 मीटर में से 5037.10 मीटर सुरंग, 1222 मीटर में से 503 मीटर कट एंड कवर, बड़े पुलों के 95 अदद में से 69 की उप संरचना और 130 अदद में से 44 की अधिसंरचना, 661 में से 588 छोटे पुलों, 9.07 लाख क्यूबिक मीटर में से 4.63 लाख क्यूबिक मीटर गिट्टी आपूर्ति, 379.00 कि.मी. में से 59.40 कि.मी. ट्रैक लिंकिंग एवं कुल 506.79 हैक्टर में से 492.978 हेक्टर भूमि अधिग्रहण इस परियोजना की संचयी प्रगति रही ।

सुरंग संख्या-10 (3235 मी. लम्बी) जो परियोजना का जटिल कार्य है जिसके शेष कार्य हेतु रिस्क एण्ड कॉस्ट निविदा आमंत्रित की गई है । रेलवे बोर्ड को दिनांक 9.3.09 को टी.सी. की सिफारिश भेज दी गयी। रेलवे बोर्ड के निदेशानुसार दिनांक 3.09.09 को पुन: बातचीत की गई तथा निविदा कार्यवाही स्वीकृति के लिए रेलवे बोर्ड को भेजी गई है । रेलवे बोर्ड के दिनांक 20-01-2010 के पर्यवेक्षण का उत्तर दिनांक 25-01-2010 को दिया गया ।

8.लिंक किमर्स सहित रंगिया-मुकोंगसेलेक आमान परिवर्तन (510.33 कि.मी.)

कुल 56.33 लाख क्यूबिक मीटर में से 21.186 लाख क्यूबिक मीटर भू-कार्य, 46.88 कि.मी. (केवल डायवर्सन) में से 28.20 कि. मी. का गठन, 560 छोटे पुलों में से 178 एवं 195 बड़े पुलों में से 56 की उप संरचना एवं 6 की अधिसंरचना तथा 109000 क्यूबिक मीटर गिट्टी आपूर्ति की संचयी प्रगति रही । साबरमती रेलवे वर्कशॉप को तीन पुलों (45.72 मी. के 13 स्पॉन) के स्टील गर्डरों एवं एक पुल (30.50 मी. के 4 स्पॉन) के संरचना कार्य का आदेश दे दिया गया है एवं संरचना प्रगति पर है।

वित्तीय निष्पादन 2009-2010

2009-2010 का परिव्यय

◆ रेलवे बजट	=	1764.70 करोड़ रूपये
◆ निक्षेप कार्य (रक्षा मंत्रालय)	=	2.78 करोड़ रूपये
कुल	=	1767.48 करोड़ रूपये

खर्च 2009-2010

◆ फरवरी, 2010 के दौरान खर्च	=	178.94 करोड़ रूपये
	+	0.07 करोड़ रूपये (निक्षेप कार्य)
कुल	=	179.01 करोड़ रूपये
◆ फरवरी, 2010 तक संचयी खर्च (लगभग)	=	1269.52 करोड़ रूपये
	+	2.02 करोड़ रूपये (निक्षेप कार्य)
कुल	=	1271.54 करोड़ रूपये
परिव्यय का खर्च (%)	=	71.94 %

यातायात सुविधा

	प्रगति	लक्ष्य
◆ कामाख्या स्टेशन पर कोचिंग की सुविधा (फेज-II)	कार्य पूरे किए गए तथा दिनांक 29.12.2009 को माननीय मुख्य मंत्री असम द्वारा झंडी दिखाकर पहली गाड़ी को रवाना किया गया।	-

वर्कशॉप

	प्रगति	लक्ष्य
◆ किशनगंज- ट्रेन परीक्षण केंद्र	90 %	-
◆ न्यू बंगाईगांव-आर.सी.सी. बाउंड्री वॉल	72 %	-
◆ कामाख्या में कोच रख-रखाव के लिए अधिसंरचना का विकास(फेज-II)	92 %	-

वर्ष 2009-2010 में लक्ष्य निर्धारित परियोजनाओं की स्थिति

	प्रगति	लक्ष्य
◆ फकीराग्राम से धुबड़ी 66 कि.मी.(आमान परिवर्तन)	98.95 %	31.3.10
◆ मालदा टाउन-ओल्ड मालदा टाउन (0.4 कि.मी.) दोहरीकरण	54.32 %	31.3.10
◆ न्यू गुवाहाटी-डिगारू (29.814 कि.मी.) दोहरीकरण	36.80 %	31.3.10

सिगनल एवं दूरसंचार निर्माण कार्य

	प्रगति	लक्ष्य
◆ पानीतोला-डिब्रूगढ़ टाऊन : स्टन्डर्ड III पैनल इन्टरलाकिंग तथा एम.ए.सी.एल द्वारा सिगनलों का पुन:स्थापन (राजधानी मार्ग, 5 स्टेशन)।	पानीटोला से लाहोवाल तक 4 स्टेशनों में चालू किया गया ।	मार्च, 2010
◆ न्यू जलपाईगुड़ी-बंगाईगांव-गुवाहाटी: मोबाइल ट्रेन रेडियो कम्यूनिकेशन	गुवाहाटी -न्यू बंगाईगांव-न्यू जलपाईगुड़ी - मालदा टाऊन-कटिहार सेक्शनों पर मोबाइल ट्रेन रेडियो कम्यूनिकेशन (एम टी आर सी) प्रणाली का शुभारंभ किया गया।	कार्य पूरा हुआ।
◆ माकुम जंक्शन - नुमलिगढ़ : लिडु-जोरहाट टाऊन स्टेशनों में फ्री शंटिंग (4 स्टेशनों) के साथ प्वाइंट जोन तथा बर्थिंग ट्रैक में मल्टी एंट्री डिजिटल एक्सेल प्लान्ट	100%	कार्य पूरा करके तिनसुकिया मंडल को सौंपा गया।

चालू सर्वेक्षण

क्रम सं	सर्वेक्षण का नाम	स्वीकृति वर्ष	राज्य	प्रगति	पूरा करने की लक्ष्य तिथि
1.	न्यू माल जं. से मैनागुड़ी तक नई लाइन	2008-09	पश्चिम बंगाल	100%	कार्य पूरा हुआ
2.	हासिमारा (पश्चिम बंगाल) से फुंत्सोलिंग (भूटान) तक नई लाइन	2004-05	पश्चिम बंगाल (भारत) व भूटान	50%	-
3.	साम्सी से डालखोला तक नई लाइन	2009	पश्चिम बंगाल	85%	-
4.	मिरिक से गैंगटोक तक नई लाइन	2009	पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम	55%	31.03.2010
5.	दुलगछेरा से चेराजी तक नई लाइन	2009	असम	55%	31.03.2010

पूर्वोत्तर सीमा रेल का सांस्कृतिक मिलन

13 जनवरी, 2010 को पूर्वोत्तर सीमा रेल के अधिकारी क्लब, लुइत हाउस में एक मनमोहक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें मकर संक्रांति के अवसर पर परंपरागत तरीके से असम का बिहु, पंजाब की लोहड़ी तथा केरल के पोंगल आदि उत्सव एक साथ मनाए गए। इस कार्यक्रम में श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक, पू.सी.रेल व अन्य अधिकारियों ने सपरिवार भाग लेकर इस कार्यक्रम को मनोहरी एवं भव्य रूप प्रदान किया। इस सांस्कृतिक मिलन की एक विशेषता यह रही कि इसमें विभिन्न क्षेत्रों के भिन्न-भिन्न उत्सवों को एक साथ उनकी परम्परा के अनुसार मनाया गया और उनकी रीति-रिवाज के अनुसार खान-पान और प्रसाद स्वरूप विभिन्न मिष्ठान और पदार्थ रखे गए। इस समारोह में पंजाब का भंगड़ा, असम का बिहु नृत्य का अच्छा प्रदर्शन किया गया तथा साथ में लोहड़ी और मेजी जलाई गई और इनका सभी ने हर्षोल्लास से आनंद लिया।

हिंदी कार्यशाला का आयोजन

निर्माण संगठन के पुराने सभा कक्ष में दिनांक 15.02.2010 से 19.02.2010 तक कर्मचारियों के लिए पांच दिवसीय हिंदी नोटिंग-ड्राफ्टिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के कुल 20 कर्मचारियों ने भाग लिया।

क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

श्री राधे श्याम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/नि की अध्यक्षता में दिनांक 26.03.2010 को इस वर्ष की पहली बैठक का आयोजन किया गया। इसमें राजभाषा के प्रचार-प्रसार से संबंधित विभिन्न मदों पर विचार-विमर्श किया गया।

रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक

अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड ने दिनांक 27.01.10 को श्री बकरीदन, भंडार नियंत्रक (निर्माण) एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (निर्माण) को वर्ष 2008 के दौरान उनके द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र में किए गए सराहनीय योगदान के लिए रेल मंत्री राजभाषा रजत पदक तथा प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया।

हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन

रेलवे बोर्ड के निदेशानुसार निर्माण संगठन में दिनांक 23.02.2010 एवं 24.02.2010 को क्षेत्रीय स्तर पर हिंदी निबंध, वाक् तथा टिप्पण एवं प्रारूप लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में प्रथम तीन स्थान प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को राजभाषा सप्ताह समारोह के अवसर पर पुरस्कृत किया जाएगा।

हिंदी प्रोत्साहन एवं पुरस्कार योजनाएं

1. **सरकारी कामकाज मूलरूप से हिंदी में करने के लिए गृह मंत्रालय की 20 हजार / 10 हजार शब्द लिखने की प्रोत्साहन योजना (अवधि- अप्रैल से मार्च तक):**

   इस योजना के अंतर्गत जो हिंदीत्तर अधिकारी/कर्मचारी एक वर्ष में कम से कम 10 हजार शब्द और हिन्दी भाषी अधिकारी/कर्मचारी 20 हजार शब्द लिखते हैं, वे इस योजना में भाग ले सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार राशि क्रमश: 1200/- रू., 800/-रू. और 400/- रू. हैं। एक यूनिट में 2 प्रथम, 3 द्वितीय तथा 5 तृतीय पुरस्कार दिए जा सकते हैं।

2. **अधिकारियों द्वारा हिंदी में डिक्टेशन देने संबंधी पुरस्कार योजना (अवधि- कैलेंडर वर्ष):**

   इस योजना के अंतर्गत हिंदी में डिक्टेशन देने वाले एक हिंदी भाषी (20 हजार शब्द) तथा एक अहिंदी भाषी अधिकारी (10 हजार शब्द) को (एक-एक हजार रूपए) के दो नकद पुरस्कार प्रति वर्ष दिए जा सकते हैं। इसके लिए संबंधित अधिकारी अपनी प्रविष्टियाँ निर्धारित प्रपत्र पर राजभाषा विभाग/निर्माण को यथासमय भिजवा सकते हैं।

3. **अंग्रेजी के अतिरिक्त हिंदी में आशुलिपि/टंकण कार्य करने के लिए विशेष हिंदी भत्ता:**

   इस योजना के अंतर्गत एक निर्धारित मात्रा में अपना सरकारी कामकाज करने वाले अंग्रेजी आशुलिपिकों तथा टाइपिस्टों/क्लर्कों को हिंदी में डिक्टेशन/टंकण कार्य करने के लिए क्रमश: 120/-रू. तथा 80/- रू. प्रतिमाह विशेष हिंदी भत्ता नियमानुसार दिया जाता है।

4. **हिंदी (प्रबोध, प्रवीण तथा प्राज्ञ)/हिंदी आशुलिपि/हिंदी टंकण परीक्षाएं उत्तीर्ण करने संबंधी प्रोत्साहन योजनाएं:**

   इस योजना के अंतर्गत हिंदी शिक्षण योजना द्वारा संचालित विभिन्न हिंदी, हिंदी आशुलिपि तथा हिंदी टंकण परीक्षाएं पास करने पर नियमानुसार एक मुश्त प्रोत्साहन राशि व वार्षिक वृद्धि देने का प्रावधान है।

सेवानिवृत्त अधिकारियों/कर्मचारियों का विदाई समारोह

इस संगठन की परिपाटी को कायम रखते हुए जनवरी तथा फरवरी, 2010 में सेवानिवृत्त हुए निम्नलिखित अधिकारियों/ कर्मचारियों के लिए विदाई समारोह आयोजित किए गए। इन अधिकारियों/ कर्मचारियों को उनकी सेवानिवृत्ति के भुगतान संबंधी चैक तथा स्वर्ण जड़ित चांदी के पदक प्रदान किए गए।

सेवानिवृत्ति विदाई समारोह

निर्माण संगठन, सेवानिवृत्त हुए इन सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों को उनके सुखद सेवानिवृत्त जीवन व पारिवारिक समृद्धि की शुभकामनाएं देता है।

स्थानांतरण

श्री भरत राज मीणा, सुरक्षा आयुक्त/नि का दिनांक 26.03.2010 को उत्तर रेल पर स्थानांतरण हुआ।

दिनांक 26-03-2010 को एक समारोह में श्री भरत राज मीणा, सुरक्षा आयुक्त/निर्माण को उनके उत्तर रेलवे पर स्थानांतरण होने पर विदाई दी गई, जिसमें श्री राधेश्याम, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण ने अपने कर-कमलों से स्मृति चिन्ह और असम की परम्परा के अनुसार गामोछा प्रदान किया। इस समारोह में श्री बकरीदन, भंडार नियंत्रक/निर्माण एवं मुख्य कार्मिक अधिकारी और उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/निर्माण सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी भी उपस्थित थे।

आदमी

कैसी तबाही पर उतर आया है देखो आदमी,
सभ्यता का नाश करने पर तुला है आदमी;
मानवता का विनाश अब करने लगा है आदमी,
हवा में भी ज़हर फैलाने लगा है आदमी।

आधुनिकता के नाम पर इंसानियत भुला रहा है आदमी,
निडर दिलों में भी खौफ पैदा कर रहा है आदमी;
युद्ध को अब आखरी हथियार बना बैठा है आदमी,
इंसान से हैवान अब बनता जा रहा है आदमी।

मरने वाले मर रहे हैं मार रहा है आदमी,
अपने लिए दूसरों का घर उजाड़ रहा है आदमी;
चारों तरफ हाहाकार है हिंसक बन रहा है आदमी,
हार रही है खुदाई जीत रहा है आदमी।

भुखमरी मिटाने के लिए भूखों को मिटा रहा है आदमी,
एक मसले के लिए सौ मसले खड़े कर रहा है आदमी;
ज़र ज़मीन और ज़ोरू के लिए लड़ रहा है आदमी,
विज्ञान का ईज़ाद करके खुद पछता रहा है आदमी।

- जगन्नाथ
उप महाप्रबंधक (राजभाषा)
पूर्वोत्तर सीमा रेल/निर्माण
(रेल राजभाषा से साभार)

श्रद्धांजलि

निर्माण संगठन के निम्नलिखित दिवंगत रेलकर्मियों को श्रद्धांजलि देने के लिए शोक सभा आयोजित की गई। शोक सभा में इस अपूर्णीय क्षति को सहन करने के लिए भगवान से शोक संतप्त परिवारों को शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की गई:-

1. स्वर्गीय श्री दिनेश शर्मा, मुख्य इंजीनियर/निर्माण-3 के सचिव- देहावसान दिनांक 19.02.2010
2. स्वर्गीय श्री उत्पल दास, लेखा सहायक/ लेखा विभाग देहावसान दिनांक 02.03.2010

स्टाफ कैंटीन में अतिरिक्त सुविधाएं

निर्माण संगठन के प्रबंधन ने हमेशा अपने कर्मचारियों के कल्याण को प्राथमिकता दी है और इसी क्रम में कार्यालय परिसर में स्थित स्टाफ कैंटीन में चाय एवं कॉफी मशीन की सुविधा उपलब्ध कराई, जिसका उद्घाटन श्री शिव कुमार, महाप्रबंधक/निर्माण ने दिनांक 23.03.2010 को किया। इस मशीन में चाय व कॉफी के अलावा जूस व सूप बनाने की सुविधा भी है। इससे कैंटीन में स्वच्छता भी रहेगी और इससे बने पेय पदार्थ स्वास्थ्यकर भी होंगे। इसकी सुविधा कार्यालय समय में उपलब्ध होगी।

बधाई

अधिकारियों को जन्म दिवस पर हार्दिक बधाई

13 अप्रैल, श्री मोहन लाल, मुख्य इंजीनियर/नि/7
15 अप्रैल, श्री के.टी. बेचो, उप वि.स. एवं मुलेधि/नि-2
17 अप्रैल, श्री वी.पी. श्रीवास्तव, मुख्य इंजीनियर/नि/4
17 अप्रैल, श्री महेंद्र सिंह, उप मुख्य इंजीनियर/नि/डिब्रूगढ़-1
17 मई, श्री शैलेंद्र प्रसाद, उप मुख्य इंजीनियर/नि/योजना
20 मई, श्री सत्य प्रकाश यादव, उप मुख्य इंजीनियर/नि/कटिहार
30 जून, श्री अजय प्रधान, उप मुख्य इंजीनियर/नि/लमडिंग-2

अधिकारियों को विवाह वर्षगांठ पर हार्दिक बधाई

14 मई, श्री के.टी. बेचो, उप वि.स. एवं मुलेधि/नि-2
08 जून, श्री पी.के. सिंह, उप मुख्य कार्मिक अधिकारी/नि

प्रशंसा

महोदय,

आपके दिनांक 28/01/2010 के पत्र सं0 ई/149/हि/नि/पत्रिका के साथ "संवाद" का 13 वें अंक पत्रिका की प्रति प्राप्त हुई. धन्यवाद।

पत्रिका की रूप सज्जा तथा सामग्री संकलन अत्यंत आकर्षक है। पत्रिका में संकलित सभी लेख उच्चकोटि के तथा ज्ञानवर्द्धक हैं। संपादन और कलेवर की दृष्टि से पत्रिका सुरुचिपूर्ण है। पत्रिका के प्रकाशन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं।

भवदीय
26/4/10
(शान्ति कुमार स्याल)
सहायक संपादक
राजभाषा भारती
दूरभाष-011-24698054

प्रस्तावित बदरपुर स्टेशन भवन

राजभाषा अनुभाग / निर्माण की ओर से वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी / निर्माण द्वारा प्रकाशित,
मुद्रक : दास ग्राफिक्स एण्ड आफसेट प्रेस, मालीगांव, गुवाहाटी-781012, दूरभाष : 98641-01480, 94351-43284